भीलवाड़ा फोकस

भीलवाड़ा की बात, फोकस के साथ.....

RNI No. : RJHIN/25/A0890

वर्ष - 01 | अंक - 351 | बिजौलिया - मंगलवार, 07 जुलाई 2026 | मूल्य - 1 रुपया | मो.- 86967 95959 | पृष्ठ - 4 | WWW.BHILWARAFOCUS.COM

6 महीने में अपराध 4.65% घटे, साइबर और नशा माफिया पर पुलिस का बड़ा शिकंजा

डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने पेश किया राजस्थान पुलिस का रिपोर्ट कार्ड, कहा अब अपराध होने का इंतजार नहीं, रोकथाम और तकनीक आधारित स्मार्ट पुलिसिंग होगी प्राथमिकता

भीलवाड़ा फोकस @ जयपुर।

राजस्थान पुलिस ने अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था और तकनीक आधारित पुलिसिंग के क्षेत्र में बीते छह महीनों की उल्लेखनीय उपलब्धियों का रिपोर्ट कार्ड जारी करते हुए दावा किया है कि प्रदेश में गंभीर अपराधों में कमी आई है, जबकि साइबर अपराध, नशा तस्करी और संगठित अपराध के खिलाफ कार्रवाई तेज हुई है। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने सोमवार को राजस्थान पुलिस अकादमी में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अब पुलिस की कार्यशैली केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि अपराध की रोकथाम, अपराधियों की आर्थिक कमर तोड़ने और आधुनिक तकनीक आधारित स्मार्ट पुलिसिंग पर विशेष फोकस रहेगा।

डीजीपी शर्मा ने बताया कि वर्ष 2025 की पहली छमाही की तुलना में वर्ष 2026 की समान अवधि में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत दर्ज कुल अपराधों में 4.65 प्रतिशत की कमी आई है। 2025 में जहां 99,272 मामले दर्ज हुए थे, वहीं इस वर्ष यह संख्या घटकर 94,652 रह गई। वहीं स्थानीय एवं विशेष अधिनियमों के तहत पुलिस की सक्रिय कार्रवाई के चलते दर्ज मामलों में 4.25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो अपराधियों के विरुद्ध सख्त अभियान का संकेत है।

उन्होंने बताया कि हत्या के मामलों में 4.41 प्रतिशत, हत्या के प्रयास में 11.17 प्रतिशत, डकैती में 16.28 प्रतिशत, लूट में 19.93 प्रतिशत, अपहरण में 4.72 प्रतिशत, दुष्कर्म में 13.36 प्रतिशत तथा पॉक्सो एक्ट के मामलों में 20.90 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज मामलों में भी 18.81 प्रतिशत की गिरावट आई है।

संपत्ति संबंधी अपराधों में भी राजस्थान पुलिस ने बेहतर सफलता हासिल की है। लूट के मामलों में माल बरामदगी का प्रतिशत 71 से बढ़कर 79.09 प्रतिशत पहुंच गया, जबकि नकबजनी में रिकवरी 9.58 प्रतिशत से बढ़कर 58.24 प्रतिशत और चोरी के मामलों में 10.34 प्रतिशत से बढ़कर 24.79 प्रतिशत हो गई।

डीजीपी ने बताया कि नशा तस्करों और अवैध हथियारों के खिलाफ अभियान लगातार जारी है। आबकारी अधिनियम के तहत दर्ज मामलों में 2.06 प्रतिशत, आर्म्स एक्ट में 4.23 प्रतिशत तथा एनडीपीएस एक्ट के मामलों में करीब 30 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इस अवधि में 7,195 एनडीपीएस प्रकरण दर्ज कर बड़े ड्रग सिंडिकेट्स पर कार्रवाई की गई।

महिला सुरक्षा को लेकर उन्होंने बताया कि छेड़छाड़ के मामलों में 6.44 प्रतिशत, दुष्कर्म में 13.36 प्रतिशत तथा पॉक्सो मामलों में 20.90 प्रतिशत की कमी आई है। वहीं अनुसंधान की गति तेज करते हुए पॉक्सो मामलों में औसत जांच अवधि 78.2 दिन से घटाकर 51.2 दिन तथा दुष्कर्म मामलों में 81 दिन से घटाकर 52 दिन कर दी गई है।

साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए राज्य में सभी 41 पुलिस जिलों में साइबर पुलिस थाने स्थापित किए जा चुके हैं तथा प्रत्येक थाने में साइबर हेल्पडेस्क संचालित है। मुख्यमंत्री की बजट घोषणा के तहत राजस्थान साइबर क्राइम कंट्रोल सेंटर (R4C) और एआई आधारित 1930 कॉल सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं। अब तक साइबर धोखाधड़ी में 768 करोड़ रुपये से अधिक की राशि होल्ड की जा चुकी है, जबकि 1.84 लाख गुम मोबाइल ट्रेस कर उनमें से 61 हजार से अधिक मोबाइल उनके मालिकों को लौटाए गए हैं।

एटीएस और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स की कार्रवाई का उल्लेख करते हुए डीजीपी ने बताया कि आतंकवाद, अवैध विस्फोटक, हथियार और मादक पदार्थ तस्करी के मामलों में कई बड़ी कार्रवाई कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। सोशल मीडिया पर 728 संदिग्ध व्यक्तियों की निगरानी की गई तथा 15 युवाओं की डी-रेडिकलाइजेशन प्रक्रिया शुरू की गई।

डीजीपी शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की स्वीकृति से पुलिस के तकनीकी संवर्ग में 403 पदों का पुनर्गठन किया गया है, जिससे वर्षों से लंबित पदोन्नतियों का मार्ग प्रशस्त होगा।

डीजीपी ने कहा कि आने वाले समय में बड़े नशा तस्करों, रंगदारी व गैंगस्टर नेटवर्क के खिलाफ संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई और तेज होगी। विदेशों में छिपे अपराधियों के प्रत्यर्पण, साइबर अपराधों पर R4C के माध्यम से प्रभावी नियंत्रण तथा तकनीक आधारित स्मार्ट पुलिसिंग को राज्य में और मजबूत किया जाएगा।

अवैध बजरी से भरे ट्रैक्टर की पीएम ई-बस से टक्कर, बस के कांच टूटे

भीलवाड़ा फोकस @ सवाईपुर

(सांवर वैष्णव)

जित्या माफी गांव में सोमवार सुबह अवैध बजरी से भरे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली की प्रधानमंत्री ई-बस से टक्कर हो गई। हादसे में बस के पिछले हिस्से की ड्राइवर साइड के कांच टूट गए। घटना की सूचना मिलते ही बड़लियास थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर थाने ले गई।

बड़लियास थाने के एएसआई गोपाल सिंह ने बताया कि सोमवार सुबह बड़लियास से भीलवाड़ा जा रही प्रधानमंत्री ई-बस जित्या माफी गांव के पास पहुंची थी। इसी दौरान अवैध बजरी से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली की बस से टक्कर हो गई। टक्कर से बस के पिछले हिस्से की ड्राइवर साइड के दो शीशे टूट गए। सूचना पर थाना प्रभारी जसवंत सिंह पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे और ट्रैक्टर-ट्रॉली को थाने लाया गया। हादसे के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों का आरोप है कि इसी ट्रैक्टर ने हादसे से पहले भाकलिया गांव के पास एक गौवंश को भी टक्कर मार दी थी, जिससे उसकी मौत हो गई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है

रसद विभाग के तीन प्रवर्तन निरीक्षकों पर फर्जी हस्ताक्षर कर कूटरचना का मामला दर्ज

कोर्ट के आदेश पर फूलियाकलां थाना पुलिस ने शुरू की जांच, उचित मूल्य दुकान डीलर ने लगाए गंभीर आरोप

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

पुनीत चपलोत

फूलियाकलां थाना क्षेत्र के खामोर गांव स्थित उचित मूल्य की दुकान के डीलर की शिकायत पर रसद विभाग के तीन प्रवर्तन निरीक्षकों के खिलाफ फर्जी हस्ताक्षर कर कूटरचित दस्तावेज तैयार करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। न्यायालय के आदेश के बाद थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खामोर निवासी उचित मूल्य दुकान संचालक ओमप्रकाश वैष्णव ने रिपोर्ट में बताया कि 29 अक्टूबर 2025 को रसद विभाग की प्रवर्तन निरीक्षक मीनाक्षी मीणा, विनोद मीणा और ब्रिजेश सेठी उनकी दुकान के निरीक्षण के लिए पहुंचे थे। आरोप है कि निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने फर्द मौके एवं निरीक्षण प्रपत्र पर उनके हस्ताक्षर करवाए, लेकिन बाद में परिवादी तथा गवाहों बलवंत सिंह और कन्हैयाल व्यास उर्फ सिंटू के कथित रूप से फर्जी हस्ताक्षर कर नए निरीक्षण दस्तावेज तैयार कर दिए।

परिवादी का कहना है कि जिला कलक्टर के हस्तक्षेप के बाद जिला रसद अधिकारी से 21 नवंबर 2025 को निरीक्षण दस्तावेजों की प्रमाणित प्रतियां प्राप्त हुईं। इसके बाद कराई गई एफएसएल जांच में हस्ताक्षरों में जालसाजी और हिचकिचाहट के संकेत मिलने का दावा किया गया है।

न्यायिक मजिस्ट्रेट शाहपुरा के आदेश पर फूलियाकलां थाना पुलिस ने आरोपित तीनों प्रवर्तन निरीक्षकों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी राजकुमार नायक ने बताया कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है तथा सभी दस्तावेजों और साक्ष्यों की पड़ताल की जाएगी।

वहीं, आरोपित अधिकारियों का कहना है कि निरीक्षण के दौरान अनियमितताएं मिली थीं और शिकायत पूर्वाग्रहवश की गई है। पुलिस दोनों पक्षों के बयान एवं दस्तावेजी साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

साडू के घर पत्नी की हत्या कर पति ने लगाई फांसी, दो मासूम बच्चों के सिर से उठा माता-पिता का साया

आमली बरड़ोद में दिल दहला देने वाली वारदात, खेत से लौटे परिजनों ने देखा खौफनाक मंजर; पुलिस हत्या के कारणों की जांच में जुटी

घटना के बाद घर के बाहर विलाप करते परिजन

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा/सवाईपुर।

(सांवर वैष्णव)

जिले के हमीरगढ़ थाना क्षेत्र के आमली बरड़ोद गांव में सोमवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। बड़लियास थाना क्षेत्र के बनकाखेड़ा निवासी एक युवक ने पहले अपनी पत्नी की गला दबाकर और लोहे की फेट (मुक्के) से वार कर हत्या कर दी, इसके बाद खुद कमरे में फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। इस घटना में एक हंसता-खेलता परिवार पलभर में उजड़ गया और दो मासूम बच्चे अनाथ हो गए।

पुलिस के अनुसार, बनकाखेड़ा निवासी कालू (30) पुत्र देबीलाल जाट रविवार शाम करीब सात बजे अपनी पत्नी दुर्गा देवी (28) के साथ आमली बरड़ोद स्थित अपने साडू जगदीश जाट के घर मिलने पहुंचे थे। रात को परिवार के साथ भोजन करने के बाद सभी सोने चले गए।

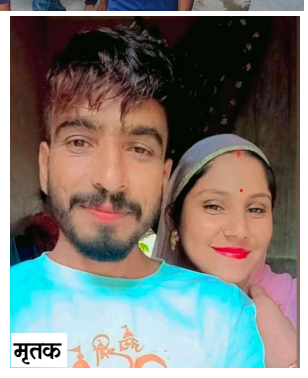

मृतक

खेत से वापस बुलाया, फिर वारदात को दिया अंजाम

सोमवार सुबह करीब पांच बजे जगदीश जाट, उसकी पत्नी और दुर्गा देवी पास के खेत में गुलाब के फूल तोड़ने के लिए निकल गए। कुछ ही देर बाद कालू ने जगदीश को फोन कर कहा कि घर पर बच्चे की तबीयत खराब है और उन्हें तुरंत गांव लौटना है। इस पर जगदीश दुर्गा को वापस घर छोड़कर खेत लौट गया। उसने दंपती से घर पर ताला लगाकर चाबी रख देने की बात कहकर वापस खेत का रुख किया। इसी दौरान कालू ने वारदात को अंजाम दे दिया।

कमरे का नजारा देख उड़ गए होश

कुछ समय बाद जब परिजन खेत से लौटे तो कमरे का दृश्य देखकर उनके होश उड़ गए। कालू का शव फंदे से लटका हुआ था, जबकि दुर्गा देवी का शव बिस्तर पर पड़ा मिला। सूचना मिलते ही हमीरगढ़ थाना प्रभारी सुनील बेड़ा पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मृतकों के परिजनों को सूचना देकर दोनों शवों को हमीरगढ़ चिकित्सालय की मोर्चरी पहुंचाया, जहां मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए।

हत्या के बाद आत्महत्या की आशंका, कई पहलुओं पर जांच

प्राथमिक जांच में सामने आया कि महिला की मौत गला दबाने और लोहे की फेट से वार किए जाने के कारण हुई। पुलिस प्रथम दृष्टया इसे पत्नी की हत्या के बाद आत्महत्या का मामला मान रही है। हालांकि, घटना के पीछे की वास्तविक वजह जानने के लिए पुलिस पारिवारिक, सामाजिक और अन्य सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

दो मासूमों के सिर से उठा माता-पिता का साया

इस दर्दनाक घटना ने दो मासूम बच्चों की दुनिया उजाड़ दी। दंपती के पीछे सात वर्षीय बेटा और तीन वर्षीय बेटी हैं। माता-पिता की मौत से अनजान दोनों मासूम देर तक उनके लौटने का इंतजार करते रहे। वहीं कालू अपने परिवार का इकलौता पुत्र था। पिता के निधन के बाद वही अपनी वृद्ध मां का सहारा था। बेटे की मौत से वृद्ध मां पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

गांव में पसरा मातम, नम आंखों से दी अंतिम विदाई

सोमवार शाम दोनों शव बनकाखेड़ा गांव पहुंचे तो घर में कोहराम मच गया। परिजनों और ग्रामीणों की आंखें नम हो गईं। इसके बाद पति-पत्नी की अंतिम यात्रा एक साथ निकाली गई। श्मशान घाट में दोनों का अलग-अलग चिताओं पर अंतिम संस्कार किया गया। पूरे गांव में घटना को लेकर शोक और स्तब्धता का माहौल बना रहा।

हमीरगढ़ थाना प्रभारी सुनील बेड़ा ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला पत्नी की हत्या के बाद पति द्वारा आत्महत्या करने का प्रतीत होता है। पुलिस सभी पहलुओं की गहनता से जांच कर रही है और जांच पूरी होने के बाद ही घटना के वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेंगे।

चौक में सो रहे बुजुर्ग दंपती पर हमला, रामनामी लूट ले गए बदमाश

बेटे के कमरे की बाहर से लगा दी कुंडी, विरोध करने पर लाठी-डंडों से पीटा

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

जिले के मांडल थाना क्षेत्र स्थित दाता कला गांव में रविवार देर रात एक बुजुर्ग दंपती पर हमला कर लूट की वारदात को अंजाम दिया गया। तीन अज्ञात बदमाश घर में घुसे और चौक में सो रहे दंपती को निशाना बनाते हुए महिला के गले से रामनामी छीनकर फरार हो गए। विरोध करने पर बदमाशों ने बुजुर्ग दंपती के साथ बेरहमी से मारपीट की। घटना के दौरान उन्होंने कमरे में सो रहे बेटे के कमरे की बाहर से कुंडी लगा दी, जिससे वह माता-पिता की मदद के लिए बाहर नहीं निकल सका।

जानकारी के अनुसार दाता कला निवासी बालूलाल जाट (65) अपनी पत्नी रामू देवी (60) के साथ घर के चौक में सो रहे थे। देर रात तीन बदमाश घर में दाखिल हुए और रामू देवी के गले में पहनी रामनामी तोड़कर भागने लगे। इसी दौरान आहट से बालूलाल की नींद खुल गई। उन्होंने बदमाशों को रोकने का प्रयास किया और शोर मचाया तो आरोपियों ने लाठी-डंडों व अन्य हथियारों से उन पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। पति को बचाने पहुंची रामू देवी के साथ भी मारपीट की गई।

वारदात को अंजाम देने से पहले बदमाशों ने घर के अंदर सो रहे बेटे ओमप्रकाश के कमरे की बाहर से कुंडी लगा दी, ताकि वह बाहर निकलकर उनका विरोध नहीं कर सके। शोर-शराबा सुनकर आसपास के ग्रामीणों की हलचल शुरू हुई तो तीनों आरोपी रामनामी लेकर मौके से फरार हो गए।

घटना में घायल हुए बुजुर्ग दंपती को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। वहीं पीड़ित परिवार की ओर से मांडल थाने में तीन अज्ञात बदमाशों के खिलाफ घर में घुसकर लूट और मारपीट का मामला दर्ज कराया गया है।

सूचना पर मांडल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है तथा आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए संभावित मार्गों पर तलाश अभियान चलाया जा रहा है।

समान नागरिक संहिता पर भीलवाड़ा से दिए गए सुझाव, वीसी के जरिए जनसुनवाई में जुड़े जनप्रतिनिधि

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

राजस्थान समान नागरिक संहिता-2026 के संबंध में आमजन एवं विभिन्न वर्गों के सुझाव प्राप्त करने के लिए सोमवार को अजमेर संभाग स्तरीय जनसुनवाई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई। अजमेर जिला कलेक्ट्रेट से आयोजित जनसुनवाई में संभाग के सभी जिलों को जोड़ा गया।

भीलवाड़ा जिला कलेक्ट्रेट से सांसद दामोदर अग्रवाल, जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू, जनप्रतिनिधि प्रशांत मेवाड़ा सहित विभिन्न अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। इस दौरान निवर्तमान महापौर राकेश पाठक सहित अन्य प्रतिभागियों ने समान नागरिक संहिता के विभिन्न पहलुओं पर अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

जनसुनवाई की अध्यक्षता राजस्थान समान नागरिक संहिता के सदस्य एवं राजस्थान उच्च न्यायालय के अतिरिक्त महाधिवक्ता बसंत कुमार छाबा ने की। इस दौरान सांसदों, विधायकों, विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधियों, अधिवक्ताओं, शिक्षाविदों, सामाजिक संगठनों एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से सुझाव लिए गए।

राज्य सरकार के निर्देशानुसार जनसुनवाई के दौरान प्राप्त सभी अभ्यावेदन एवं सुझावों का तहसीलवार और जिलावार संधारण किया जाएगा, ताकि उनका परीक्षण कर आगे की प्रक्रिया में शामिल किया जा सके।

बिजोलिया में अफीम किसानों ने उठाई डोडा चूरा मुआवजे की मांग, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

नष्टीकरण के आदेश स्थगित करने या खेत में ही जमींदोज करने की मांग

भीलवाड़ा फोकस @ बिजोलिया।

अफीम उत्पादक किसानों ने डोडा चूरा नष्टीकरण की मौजूदा व्यवस्था पर आपत्ति जताते हुए सोमवार को मुख्यमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी बिजोलिया को ज्ञापन सौंपा। भारतीय किसान संघ एवं अफीम उत्पादक संघर्ष समिति के बैनर तले दिए गए ज्ञापन में किसानों ने डोडा चूरा के लिए उचित मुआवजा देने तथा वर्तमान व्यवस्था में बदलाव की मांग की।

किसानों का कहना है कि भारत सरकार लाइसेंसधारी किसानों से निर्धारित मानकों के अनुरूप अफीम खरीद लेती है, लेकिन उससे शेष बचने वाले डोडा चूरा के निस्तारण का पूरा भार किसानों पर आ जाता है। वर्ष 2016 तक राज्य सरकार ठेका प्रणाली के माध्यम से डोडा चूरा खरीदती थी, लेकिन व्यवस्था बंद होने के बाद किसानों को इसे जमींदोज करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जिससे आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

ज्ञापन में मांग की गई है कि राज्य सरकार डोडा चूरा का वजन के आधार पर दो हजार रुपये प्रति किलोग्राम की दर से मुआवजा दे। यदि यह संभव नहीं हो तो किसानों को अपने खेतों में ही सुरक्षित तरीके से डोडा चूरा नष्ट करने की अनुमति दी जाए। किसानों का तर्क है कि खेत में जमींदोज करने से मिट्टी की उर्वरता बढ़ेगी, जैविक खेती को प्रोत्साहन मिलेगा और अनावश्यक प्रशासनिक प्रक्रिया से भी राहत मिलेगी।

किसानों ने ज्ञापन में यह भी बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में कई किसानों के कच्चे मकान हैं, जहां डोडा चूरा को लंबे समय तक सुरक्षित रखना संभव नहीं है। बारिश या मवेशियों से नुकसान होने का भी खतरा बना रहता है। ऐसे में वर्तमान व्यवस्था किसानों के लिए व्यवहारिक नहीं है।

किसानों ने राज्य सरकार से मांग की है कि जब तक डोडा चूरा पर उचित मुआवजा देने का निर्णय नहीं होता, तब तक नष्टीकरण संबंधी आदेशों को स्थगित किया जाए अथवा किसानों को अपने खेतों में ही इसका निस्तारण करने की अनुमति प्रदान की जाए। इससे किसानों को आर्थिक राहत मिलने के साथ-साथ खेती को भी लाभ होगा।

आरोली ग्रामीण सेवा शिविर में राजस्व के 63 प्रकरणों का मौके पर निस्तारण, 22 विभागों ने दी सेवाएं

भीलवाड़ा फोकस @ बिजोलिया।

राजस्थान सरकार के जनकल्याण शिविर अभियान के तहत सोमवार को ग्राम पंचायत आरोली में ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 22 विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विभिन्न योजनाओं से जुड़े कार्यों का मौके पर निस्तारण कर ग्रामीणों को राहत प्रदान की।

शिविर में राजस्व विभाग की ओर से आपसी सहमति से भूमि बंटवारे का एक प्रकरण, नाम शुद्धिकरण के 45, रास्ता खुलासा के 9 तथा सीमाज्ञान एवं पत्थरगढ़ी के 8 प्रकरणों का मौके पर निस्तारण किया गया। वहीं पंचायतीराज विभाग ने चार स्वामित्व पट्टों एवं व्यक्तिगत घरेलू शौचालय के छह आवेदन तैयार किए।

शिविर प्रभारी उपखंड अधिकारी स्वाती झा के निर्देशन में विकास अधिकारी अशेष शर्मा, तहसीलदार ललित डीडवानिया, प्रशासक ज्योति जैन, ग्राम विकास अधिकारी सचिन कुमार, गिरदावर चैनसिंह राजपूत, पटवारी चेतन कुमार मीणा, प्रकाश मीणा, राजू सुथार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर उनका त्वरित समाधान किया। साथ ही पात्र लोगों को राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई।

सांसद अग्रवाल की अनुशंसा पर ई-बस डिपो को मिला डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का नाम'

भीलवाड़ा फोकस @भीलवाड़ा ।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर भीलवाड़ा में संचालित पीएम ई-बस सेवा डिपो का नामकरण उनके नाम पर किया गया है। यह नामकरण सांसद दामोदर अग्रवाल की अनुशंसा पर नगर निगम द्वारा किया गया।

सांसद प्रवक्ता विनोद झुरानी ने बताया कि अब ई-बस स्टेशन को 'डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी पीएम ई-बस सेवा डिपो' के नाम से जाना जाएगा। इस निर्णय पर कार्यकर्ताओं एवं आमजन ने सांसद दामोदर अग्रवाल के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर अग्रवाल ने कहा कि देश को 'एक निशान, एक विधान' का संदेश देने वाले जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर उनके नाम से ई-बस डिपो का नामकरण करना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

ग्रामीण सेवा शिविर में दो बड़ी समस्याओं का मौके पर हुआ समाधान, भूमि विभाजन और नाम संशोधन से मिली राहत

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

राज्य सरकार के निर्देशानुसार आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान का माध्यम बन रहे हैं। ग्राम पंचायत हलेड़ में आयोजित शिविर में राजस्व संबंधी दो महत्वपूर्ण मामलों का मौके पर ही समाधान कर ग्रामीणों को राहत प्रदान की गई।

शिविर में ग्राम हलेड़ निवासी गजराज सिंह पुत्र भैरूसिंह राजपूत ने खाता संख्या-125 की सामलाती भूमि के लंबे समय से लंबित विभाजन का मामला प्रस्तुत किया। शिविर प्रभारी ललित सेन के निर्देश पर राजस्व विभाग के अधिकारियों ने प्रकरण की सुनवाई करते हुए पटवारी एवं गिरदावर की मौजूदगी में सहखातेदारों की आपसी सहमति से मौके पर ही भूमि का विभाजन कर दिया। इससे खातेदारों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिली और वर्षों पुरानी समस्या का समाधान हो गया।

इसी प्रकार ग्राम सवलपुरा निवासी मांगीलाल पुत्र नन्दा बैरवा की पहचान से जुड़ी समस्या का भी शिविर में समाधान किया गया। राजस्व अभिलेखों में उनका नाम 'मांगू' दर्ज था, जबकि आधार सहित अन्य सभी दस्तावेजों में 'मांगीलाल' अंकित था। नाम में इस अंतर के कारण उन्हें कृषि विद्युत कनेक्शन सहित अन्य सरकारी कार्यों में लगातार परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए शिविर प्रभारी ललित सेन एवं नायब तहसीलदार रौनक शर्मा ने तत्काल कार्रवाई करते हुए राजस्व अभिलेखों में आवश्यक संशोधन के आदेश जारी किए। प्रक्रिया पूरी होने के बाद 'मांगू' के स्थान पर 'मांगीलाल' नाम दर्ज कर दिया गया।

दोनों लाभार्थियों ने राज्य सरकार एवं प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ग्रामीण सेवा शिविरों के माध्यम से विभिन्न विभागों की सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होने से समय, श्रम और धन की बचत हो रही है तथा वर्षों से लंबित समस्याओं का भी त्वरित समाधान संभव हो रहा है।

शिविर में शिविर प्रभारी ललित सेन, नायब तहसीलदार रौनक शर्मा, विकास अधिकारी जितेंद्र गुरनानी, सरपंच लाड देवी आचार्य, भू-अभिलेख निरीक्षक विनोद वर्मा, राजेश शर्मा, राकेश कोली, पटवारी गायत्री टेलर, अभिषेक छीपा, बलवीर चौधरी, जनप्रतिनिधि बालूलाल आचार्य सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

वरिष्ठ नागरिक संस्थान की नई प्रांतीय कार्यकारिणी में भीलवाड़ा के पदाधिकारियों ने ली शपथ

भीलवाड़ा फोकस @भीलवाड़ा ।

वरिष्ठ नागरिक संस्थान राजस्थान की सत्र 2026-29 की नवगठित प्रांतीय कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह एवं प्रथम बैठक कोटा क्लब में आयोजित हुई। कार्यक्रम में भीलवाड़ा जिले के पदाधिकारियों ने भी नई कार्यकारिणी के सदस्य के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली।

समारोह में भीलवाड़ा से प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मदन खटोड़, कृष्ण गोपाल सोमानी, अरुण कुमार आचार्य, उमा शंकर शर्मा, प्रमोद कुमार तोषनीवाल, कैलाश चंद्र पुरोहित एवं वीणा खटोड़ ने शपथ ग्रहण किया।

बैठक में वरिष्ठ नागरिकों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के साथ संगठन को मजबूत बनाने और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए प्रभावी प्रयास करने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर भीलवाड़ा से मूलचंद बाफना, रमा पुरोहित, पुष्पा तोषनीवाल, शकुंतला बाफना एवं विजयलक्ष्मी सोमानी सहित अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

जहाजपुर में मनाई गई डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती

भीलवाड़ा फोकस @ जहाजपुर।

गजानंद जोशी

विधायक जनसंवाद केंद्र पर सोमवार को जनसंघ के संस्थापक, महान शिक्षाविद एवं राष्ट्रवादी चिंतक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम में विधायक गोपीचंद मीणा के सानिध्य में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर विधायक गोपीचंद मीणा ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन, व्यक्तित्व एवं राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके विचार आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से उनके आदर्शों को आत्मसात कर राष्ट्रहित में कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों ने भी डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रसेवा, एकात्मता और अखंड भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

QUICK BITES

11 से 13 जुलाई तक होगी राज्य स्तरीय अंडर-14 बालिका फुटबॉल प्रतियोगिता

जिला टीम के चयन के लिए 7 जुलाई को होंगे ट्रायल

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

राजस्थान फुटबॉल संघ एवं जिला फुटबॉल संघ, भीलवाड़ा के संयुक्त तत्वावधान में 11 से 13 जुलाई तक राज्य स्तरीय अंडर-14 बालिका फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन भीलवाड़ा में किया जाएगा। प्रतियोगिता की मेजबानी एक बार फिर भीलवाड़ा को मिलने पर जिला फुटबॉल संघ ने इसे जिले के लिए गौरव की बात बताया है। जिला फुटबॉल संघ के अध्यक्ष लादूलाल तेली ने बताया कि भीलवाड़ा में पूर्व में आयोजित प्रतियोगिताओं के सफल संचालन को देखते हुए राजस्थान फुटबॉल संघ ने पुनः जिले पर विश्वास जताते हुए इस प्रतियोगिता की मेजबानी सौंपी है। उन्होंने कहा कि आयोजन को भी सफल बनाने के लिए सभी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

संघ के सचिव कैलाशचंद्र खटीक ने बताया कि प्रतियोगिता के लिए भीलवाड़ा जिला टीम का चयन 7 जुलाई को शाम 5 बजे भीमगंज विद्यालय (मोदी ग्राउंड) में आयोजित ट्रायल के माध्यम से किया जाएगा। ट्रायल में वही खिलाड़ी भाग ले सकेंगी, जिनकी जन्मतिथि 1 जनवरी 2013 से 31 दिसंबर 2014 के बीच हो।

उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों का चयन ओमप्रकाश काबरा एवं शंकरलाल जीनगर करेंगे। प्रतियोगिता का आयोजन भी भीमगंज विद्यालय (मोदी ग्राउंड) पर होगा। मैदान व्यवस्था की जिम्मेदारी महेश शर्मा एवं मिथलेश मारू को सौंपी गई है।

इस अवसर पर भेरूलाल जीनगर, दुर्गेश जोशी, अनिल व्यास, कैलाशचंद्र कोठारी, डालचंद खटीक, पारस कुमार छापरवाल सहित संघ के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

थलखुर्द स्कूल में 50.65 लाख के नए कक्षा-कक्षों का शिलान्यास

विधायक गोपाल खंडेलवाल बोले- बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं सरकार की प्राथमिकता

भीलवाड़ा फोकस @ काछोला।

मांडलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल ने सोमवार को राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, थलखुर्द में डीएमएफटी मद से 50 लाख 65 हजार रुपये की लागत से बनने वाले नवीन कक्षा-कक्षों का शिलान्यास किया।

इस अवसर पर विधायक खंडेलवाल ने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से युक्त विद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार क्षेत्र के विकास के लिए आवश्यक है और सरकार इस दिशा में लगातार कार्य कर रही है।

इस अवसर पर विधानसभा संयोजक अनिल पारीक, ब्रजमोहन शर्मा, मंडल कोषाध्यक्ष कैलाशचंद तेली, भाजपा नेता भागचंद जैन, हरीश चौधरी, चंदा देवी प्रजापत, श्यामलाल शर्मा, महेंद्र गुर्जर, छितर गुर्जर, नंदलाल गुर्जर, रणवीर साहू, सम्पत शर्मा सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

कामाख्या धाम से साधना पूर्ण कर लौटे महंत हीरानाथ जोगी, छोटा रुणिचा धाम में श्रद्धालुओं ने किया भव्य स्वागत

भीलवाड़ा फोकस @ बिजोलिया।

असम के प्रसिद्ध शक्तिपीठ मां कामाख्या धाम में पांच दिवसीय विशेष साधना पूर्ण करने के बाद छोटा रुणिचा धाम के गादीपति महंत हीरानाथ जोगी सोमवार को अपने धाम पहुंचे। उनके आगमन पर श्रद्धालुओं और कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों, पुष्पवर्षा और जयकारों के बीच भव्य स्वागत किया। पूरे धाम परिसर में आध्यात्मिक उल्लास का माहौल रहा। धाम के कोषाध्यक्ष संजय गर्ग ने बताया कि कामाख्या धाम से लौटने के बाद महंत हीरानाथ जोगी सबसे पहले तिलस्वा पहुंचे, जहां आयोजित विशाल भजन संध्या में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम से पूर्व उन्होंने तिलस्वनाथ मंदिर में दर्शन कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और देश-प्रदेश में सुख, शांति, समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की। भजन संध्या में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए महंत हीरानाथ जोगी ने आध्यात्मिक जीवन, सेवा, सद्भाव और धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं के सुखद, स्वस्थ एवं मंगलमय जीवन की कामना करते हुए आशीर्वचन प्रदान किए। इस दौरान भजन गायक धीरज मेघवंशी ने महंत हीरानाथ जोगी का माल्यार्पण एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। भजन संध्या में प्रस्तुत भक्ति गीतों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया और देर रात तक पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं ने महंत हीरानाथ जोगी का आशीर्वाद प्राप्त कर स्वयं को सौभाग्यशाली बताया। कार्यक्रम में कमलेश धाकड़, धर्मेंद्र वर्मा, बहादुर, प्रीति जैन, अजय भंवर, राजू, मनीष, रोहित, बलवंत, भैरू सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बॉक्स क्रिकेट ऑक्शन में गूंजा खेल का रोमांच, महिला टीमों का पहली बार एआई जनरेटेड ड्रॉ से चयन

जैन ज्योति युवा समिति ने पारदर्शी चयन प्रक्रिया के साथ खेल महोत्सव का बढ़ाया उत्साह

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

जैन ज्योति युवा समिति द्वारा आयोजित खेल महोत्सव के अंतर्गत 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की बॉक्स क्रिकेट प्रतियोगिता का बहुप्रतीक्षित ऑक्शन रविवार को आई मेड इंस्टीट्यूट में उत्साहपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। खिलाड़ियों की नीलामी पूरी तरह पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित तरीके से की गई, जबकि महिला वर्ग की क्रिकेट टीमों का चयन पहली बार आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) जनरेटेड ड्रॉ के माध्यम से किया गया, जिसने आयोजन को विशेष आकर्षण प्रदान किया। कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष विमल पीतलिया, मंत्री देवेंद्र डुंगरवाल, खेलकूद मंत्री कुलदीप नागौरी सहित समिति के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। आयोजन का शुभारंभ मुख्य संयोजक दीपक पीतलिया ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए किया। इसके बाद मुख्य चयनकर्ता पवन बोहरा ने टीम कप्तानों को ऑक्शन की संपूर्ण प्रक्रिया, नियमों एवं दिशा-निर्देशों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखते हुए खिलाड़ियों का चयन कराया, जिससे सभी टीमों को संतुलित एवं प्रतिस्पर्धी स्वरूप मिल सका। महिला वर्ग की टीमों का चयन इस बार पहली बार एआई जनरेटेड ड्रॉ के माध्यम से किया गया।

इस दौरान जैन ज्योति महिला समिति की अध्यक्ष वर्षा दक, मंत्री खुशबू नागौरी, महिला क्रिकेट संयोजक डिंपल पीतलिया, दीपिका नागौरी, कीर्ति डुंगरवाल सहित महिला समिति की कई सदस्य उपस्थित रहीं। नई तकनीक के माध्यम से चयन प्रक्रिया को सभी ने सराहा। आयोजन के दौरान कार्यकारिणी सदस्य विजय पीतलिया, अजीत डुंगरवाल, तरुण डुंगरवाल, सौरभ दक, रवि दक, विनीत पीतलिया, दीपक बोहरा, मनीष गांधी, मयंक पीतलिया, कुणाल देरासरिया, मुकेश नागौरी, तुषार नागौरी एवं विनीत नंगावत सहित अनेक सदस्यों ने व्यवस्थाओं में सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम के अंत में आई मेड इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर रॉबिन मेहता ने सभी खिलाड़ियों, टीम स्पॉन्सर्स, सहयोगकर्ताओं एवं उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि खेल महोत्सव समाज में खेल भावना, अनुशासन और आपसी भाईचारे को मजबूत करेगा। उन्होंने प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। समिति पदाधिकारियों ने बताया कि खेल महोत्सव का उद्देश्य युवाओं को खेलों से जोड़ना, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना तथा सामाजिक एकता को मजबूत करना है। प्रतियोगिताओं के आगामी मुकाबलों को लेकर प्रतिभागियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

उपभोक्ता कल्याण समिति के प्रदेश व जिला पदाधिकारियों ने ली शपथ

उपभोक्ता हितों की रक्षा, जनजागरूकता और संगठन विस्तार का लिया संकल्प

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

उपभोक्ता कल्याण समिति, राजस्थान के प्रदेश एवं जिला पदाधिकारियों का संयुक्त शपथ ग्रहण एवं सम्मान समारोह शहर के एक निजी रिसोर्ट में आयोजित किया गया। समारोह में नवनियुक्त पदाधिकारियों ने उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा, जनजागरूकता बढ़ाने तथा संगठन को सशक्त बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेशाध्यक्ष अधिवक्ता अशोक जैन एवं प्रदेश महामंत्री अधिवक्ता जितेंद्र कुमार मारू ने की। मुख्य अतिथि दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष प्रवीण जैन एवं डिप्टी एसपी शिल्पा जैन रहे, जबकि पूर्व जिला अभिभाषक संस्था अध्यक्ष राजेंद्र कचौलिया सहित कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं वंदे मातरम् के साथ हुआ। इसके बाद प्रदेश संगठन मंत्री पंकज हेमराजानी ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की तथा नवनियुक्त प्रदेश एवं जिला पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई। सभी पदाधिकारियों का स्वागत कर नियुक्ति-पत्र भी प्रदान किए गए। प्रदेश महामंत्री अधिवक्ता जितेंद्र कुमार मारू ने समिति की गतिविधियों की जानकारी देते हुए कहा कि उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों एवं कानूनी संरक्षण के प्रति जागरूक करना संगठन की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि समिति प्रदेशभर में जागरूकता अभियान एवं विधिक परामर्श शिविर आयोजित करेगी।

प्रदेशाध्यक्ष अधिवक्ता अशोक जैन ने कहा कि उपभोक्ता शोषण के विरुद्ध प्रभावी आवाज उठाना, पीड़ित उपभोक्ताओं को न्याय दिलाना तथा संगठन को प्रदेश के प्रत्येक जिले तक मजबूत करना समिति का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने आगामी जनजागरूकता अभियान एवं संगठन विस्तार की योजनाओं की भी जानकारी दी।

समारोह में महिला प्रदेशाध्यक्ष संगीता अग्रवाल, युवा प्रदेशाध्यक्ष अनिल पारीक, जिला अध्यक्ष राजेश पाटनी, जिला महासचिव कमलेश बोडाना, महिला युवा प्रदेशाध्यक्ष निशा कंवर गोड, प्रदेश सचिव अधिवक्ता पीरू सिंह गोड सहित प्रदेश एवं जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने शपथ ग्रहण की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अधिवक्ता, सामाजिक प्रतिनिधि एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

श्री निम्बार्क पारमार्थिक सेवा ट्रस्ट की जिला कार्यकारिणी का गठन

महंत मोहन शरण जी शास्त्री के सानिध्य में हुई बैठक

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

श्री निम्बार्क पारमार्थिक सेवा ट्रस्ट के संगठन को अधिक सशक्त एवं विस्तार देने के उद्देश्य से निम्बार्क आश्रम, गांधीनगर में महंत मोहन शरण जी शास्त्री के सानिध्य में बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन के विस्तार के लिए सभी सदस्यों से सक्रिय सहयोग, विचार एवं सुझाव देने का आह्वान करते हुए सेवा, संस्कार एवं संगठन की भावना के साथ सशक्त कार्यकारिणी के गठन पर बल दिया गया।महंत मोहन शरण जी शास्त्री ने अपने आशीर्वचन में नव नियुक्त पदाधिकारियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि ट्रस्ट के माध्यम से आध्यात्मिक, धार्मिक एवं सामाजिक क्षेत्रों में सेवा कार्यों को गति देने के लिए सभी पदाधिकारी समर्पण एवं निष्ठा के साथ कार्य करें। उन्होंने संगठन को जन-जन तक पहुंचाने और सेवा गतिविधियों का विस्तार करने का भी आह्वान किया। बैठक में महंत मोहन शरण जी शास्त्री के अनुमोदन से जिला कार्यकारिणी की घोषणा की गई। इसमें मुख्य संरक्षक भंवरलाल जोशी, संरक्षक बद्रीनारायण अरोड़ा, अध्यक्ष कैलाश चन्द्र अरोड़ा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पचानन गर्ग, शिव कुमार खेमका, रमेश अरोड़ा, प्रकाश आमेटा एवं राजकुमार बूलिया, महामंत्री गोपाल शर्मा (गोपीदादा) एवं आशीष जोशी, उपाध्यक्ष अरुण कुमार रॉय, जिनेश जैन, रामचन्द्र मूंदड़ा, भंवरलाल शर्मा, पुरुषोत्तम पारीक एवं रतन व्यास, सहमंत्री विनोद ओझा, पुरुषोत्तम शर्मा, आशीष कुमार शर्मा, राकेश सोनी एवं बसंत शर्मा, संगठन मंत्री बसंत शर्मा, कमलेश बोडाना एवं गोपाल जाट, प्रचार मंत्री ध्रुव चौधरी तथा मीडिया प्रभारी दिलीप सोनी को मनोनीत किया गया। कार्यकारिणी सदस्यों के रूप में जितेन्द्र शर्मा, प्रमोद मानसिंहका, ओमप्रकाश पारीक, अनिल शर्मा, हितेश जैन, कमल शर्मा, रामफूल बिजौलिया, पुष्पेन्द्र बंसल, डॉ. अशोक सिंह, विजय पारीक, देवानंद, योगेश मित्तल, सुरेश पटवारी, आशीष शर्मा, निरंजन गर्ग, इन्द्र कुमार तिवाड़ी एवं चैनसुख कालानी को शामिल किया गया। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने नवगठित कार्यकारिणी का स्वागत करते हुए संगठन के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने तथा सेवा, संस्कार और समर्पण की भावना के साथ समाजहित में कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

अस्पताल परिसर में जलभराव से बढ़ी परेशानी, बीमारियों का खतरा

बारिश के बाद मरीजों व परिजनों को आवागमन में दिक्कत, ग्रामीणों ने जल निकासी की व्यवस्था सुधारने की उठाई मांग

भीलवाड़ा फोकस @ जहाजपुर ।

(गजानंद जोशी)। उपखंड क्षेत्र के पडेर कस्बे के राजकीय अस्पताल परिसर में लगातार हुई बारिश के बाद जलभराव की स्थिति बन गई है। अस्पताल परिसर का बड़ा हिस्सा पानी से भर जाने के कारण मरीजों, उनके परिजनों और चिकित्सा कर्मियों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

अस्पताल परिसर में कई स्थानों पर पानी जमा होने से लोगों को कीचड़ और गंदे पानी के बीच होकर गुजरना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अस्पताल में जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण हर वर्ष बारिश के मौसम में यही स्थिति बन जाती है।

ग्रामीणों ने आशंका जताई कि लंबे समय तक पानी भरा रहने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ सकता है, जिससे डेंगू, मलेरिया और अन्य मौसमी बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाएगा। अस्पताल जैसे संवेदनशील परिसर में जलभराव को लेकर लोगों ने चिंता व्यक्त करते हुए इसे जल्द दूर कराने की मांग की है।

ग्रामीणों और मरीजों ने संबंधित विभाग एवं प्रशासन से अस्पताल परिसर से शीघ्र जल निकासी कराने तथा स्थायी समाधान के लिए प्रभावी ड्रेनेज व्यवस्था विकसित करने की मांग की है। उनका कहना है कि अस्पताल में प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए आते हैं, ऐसे में जलभराव के कारण उन्हें अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीण सेवा शिविर में राजस्व सहित कई मामलों का हुआ निस्तारण, 58वें जन्मदिन पर प्रहलाद की पेंशन भी हुई स्वीकृत

भीलवाड़ा फोकस @ आकोला

(जसवंत पारीक)। कस्बे के राजकीय प्राथमिक विद्यालय में सोमवार को आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा आमजन की समस्याओं का मौके पर समाधान किया गया। शिविर में राजस्व, सामाजिक सुरक्षा, जनाधार, मनरेगा, चिकित्सा एवं अन्य विभागों से जुड़े कई प्रकरणों का निस्तारण किया गया। वहीं शिविर गेगा का खेड़ा निवासी प्रहलाद भुवालिया के लिए यादगार बन गया, जिन्हें अपने 58वें जन्मदिन पर सामाजिक सुरक्षा पेंशन की सौगात मिली। विकास अधिकारी लोकेश टांक ने बताया कि शिविर में राजस्व विभाग की ओर से गोपाल पुत्र रामलाल उपाध्याय के भूमि खाते में दर्ज रहन एवं दोहरी प्रविष्टियों सहित चार खातों का शुद्धिकरण किया गया। इसके अलावा 15 अन्य खातों में भी आवश्यक संशोधन किए गए।

पटवारी दीपा राठौड़ ने बताया कि शिविर में 30 नामांतरण प्रकरणों का निस्तारण किया गया। ग्राम विकास अधिकारी महेंद्र कुमार ने बताया कि शिविर में मनरेगा के चार जॉब कार्ड, 17 जनआधार संबंधी कार्य तथा अन्य योजनाओं से जुड़े कई प्रकरणों का भी मौके पर समाधान किया गया।

शिविर में एक भावुक पल उस समय देखने को मिला जब गेगा का खेड़ा निवासी प्रहलाद भुवालिया अपने किसी कार्य से शिविर में पहुंचे। सोमवार, 6 जुलाई को वे 58 वर्ष के हुए थे। शिविर में उन्हें जानकारी मिली कि निर्धारित आयु पूरी होने पर सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लिए आवेदन किया जा सकता है। इसके बाद उन्होंने मौके पर मौजूद ई-मित्र संचालक के माध्यम से आवेदन कराया और आवश्यक प्रक्रिया पूरी होते ही उनकी पेंशन स्वीकृत हो गई। अपने जन्मदिन पर पेंशन स्वीकृत होने की सूचना मिलते ही प्रहलाद के चेहरे पर खुशी साफ झलकने लगी। उन्होंने इसे अपने जन्मदिन का सबसे बड़ा उपहार बताते हुए राज्य सरकार और शिविर में मौजूद अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

शिविर में चिकित्सा, विद्युत, राजस्व एवं पंचायत विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने ग्रामीणों को सेवाएं प्रदान कीं। इस दौरान सहायक विकास अधिकारी राजेंद्र बैरवा, चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजवीर कंजर, गिरदावर कृष्णगोपाल शर्मा, रामकिशन जाट सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

QUICK BITES

जहाजपुर-देवली मुख्य मार्ग गड्ढों में तब्दील, हादसों का बढ़ा खतरा

ग्रामीणों ने सड़क की शीघ्र मरम्मत की उठाई मांग, रोजाना हजारों वाहन चालकों को हो रही परेशानी

भीलवाड़ा फोकस @ जहाजपुर।

गजानंद जोशी। जहाजपुर से देवली को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग इन दिनों बदहाल स्थिति में है। सड़क पर जगह-जगह बड़े और गहरे गड्ढे होने से वाहन चालकों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर गड्ढों की गहराई करीब एक फीट तक होने से हर समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

यह मार्ग विधानसभा क्षेत्र के सबसे व्यस्त मार्गों में शामिल है, जहां से प्रतिदिन हजारों छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। सड़क की जर्जर स्थिति के कारण वाहन चालकों को जोखिम उठाकर सफर करना पड़ रहा है। बारिश के दौरान गड्ढों में पानी भर जाने से स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है तथा गड्ढों का अंदाजा नहीं लगने से हादसों की संभावना बढ़ जाती है।

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की मरम्मत की मांग को लेकर कई बार जनप्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंपे जा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

ग्रामीणों एवं वाहन चालकों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से शीघ्र सड़क की मरम्मत कराकर आवागमन सुगम एवं सुरक्षित बनाने की मांग की है। उनका कहना है कि समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में बड़े हादसे हो सकते हैं।

बावन माता ग्रामीण मंडल की संगठनात्मक बैठक आयोजित, मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को सफल बनाने का लिया संकल्प

भीलवाड़ा फोकस @ सावर

दिलखुश

सावर नगरपालिका सभागार में भाजपा बावन माता ग्रामीण मंडल की संगठनात्मक बैठक मंडल अध्यक्ष राजवीर हावा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में संगठन को मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने तथा आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर विभिन्न संगठनात्मक निर्णय लिए गए।

बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में जिला उपाध्यक्ष विजय प्रताप सिंह शक्तावत (रॉबिन बना), एसटी मोर्चा जिला अध्यक्ष रंगलाल भील, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला महामंत्री मोहसिना बानो तथा मंडल उपाध्यक्ष शक्ति सिंह पारा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के माला एवं दुपट्टा पहनाकर स्वागत-सत्कार के साथ हुई। मुख्य अतिथि विजय प्रताप सिंह शक्तावत ने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि 11 जुलाई 2026 को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रस्तावित केकड़ी कार्यक्रम में नसीराबाद-केकड़ी-सावर-देवली फोरलेन सड़क के शिलान्यास कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। इस दौरान सभी कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम को सफल बनाने का संकल्प लिया।

मंडल अध्यक्ष राजवीर हावा ने कार्यकर्ताओं से भाजपा के सरल ऐप को डाउनलोड कर संगठन के कार्यक्रमों से नियमित रूप से जुड़े रहने का आग्रह किया।

बैठक का संचालन मंडल महामंत्री लक्ष्मी नारायण मालावत ने किया। इस अवसर पर मंडल महामंत्री महावीर प्रसाद सेन सांकरिया, युवा मोर्चा अध्यक्ष मनजीत सिंह शक्तावत, रोहित गुर्जर, आदित्य शर्मा, जगदीश प्रसाद खाती, बलवीर सिंह, मनोज कहार, गोपाल सिंह, सोजी राम लोढ़ा, प्रहलाद कुमावत, ओमप्रकाश, मनमोहन कुमावत, दरियावनाथ योगी, सुगनचंद जैन, चिरंजीलाल कहार, विमल जैन सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डॉ. सतीश शर्मा ने लौटाया 50 हजार रुपये से भरा बैग, पेश की ईमानदारी की मिसाल

भीलवाड़ा फोकस @ गंगापुर।

ईमानदारी और मानवता की मिसाल पेश करते हुए गंगापुर निवासी डॉ. सतीश शर्मा ने 50 हजार रुपये नकद से भरा बैग उसके वास्तविक मालिक को सुरक्षित लौटाकर समाज के सामने अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया।

जानकारी के अनुसार, कोमल अग्रवाल किसी कार्य से डॉ. सतीश शर्मा द्वारा निर्मित पानी की टंकी पर पहुंचे थे। इस दौरान वे अपना बैग वहीं भूल गए। बैग में करीब 50 हजार रुपये नकद रखे हुए थे।

बैग मिलने पर डॉ. शर्मा ने बिना देर किए उसके मालिक का पता लगाकर सूचना पहुंचाई। सूचना मिलने पर कोमल अग्रवाल मौके पर पहुंचे, जहां डॉ. शर्मा ने उन्हें पूरा बैग सुरक्षित अवस्था में लौटा दिया। बैग में रखी पूरी नकदी सुरक्षित मिलने पर कोमल अग्रवाल ने डॉ. शर्मा का आभार व्यक्त किया।

मौके पर मौजूद लोगों ने डॉ. सतीश शर्मा की ईमानदारी की सराहना करते हुए कहा कि आज के समय में इस तरह की घटनाएं समाज में विश्वास और नैतिक मूल्यों को मजबूत करती हैं।

19 जुलाई को भीलवाड़ा बनेगा आस्था का महासंगमः जगतगुरु आचार्य श्रीरामदयालजी महाराज की ऐतिहासिक चातुर्मास पधरावणी, 101 स्वागत द्वार और ड्रोन से होगी पुष्पवर्षा

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

मूलचन्द पेसवानी

मेवाड़ की धर्मनगरी भीलवाड़ा आगामी 19 जुलाई को आध्यात्मिक उल्लास और भक्ति के विराट उत्सव का साक्षी बनेगा। अन्तरराष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय शाहपुरा के पीठाधीश्वर जगतगुरु आचार्य स्वामी श्रीरामदयालजी महाराज वर्ष 2026 का पावन 'विश्व शांति कल्याण चातुर्मास' भीलवाड़ा के माणिक्यनगर रामद्वारा में करेंगे। इस अवसर पर निकाली जाने वाली भव्य चातुर्मास पधरावणी शोभायात्रा को ऐतिहासिक बनाने के लिए व्यापक तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। रामस्नेही सम्प्रदाय के साथ-साथ सर्व समाज के श्रद्धालुओं में इस चातुर्मास को लेकर अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिल रहा है। शहर को धर्ममय वातावरण में रंगने के लिए जगह-जगह स्वागत द्वार, रंगोलियां, सजावट और धार्मिक आयोजन किए जा रहे हैं।

सुबह 8:30 बजे होगी भव्य पधरावणी--

विश्व शांति कल्याण चातुर्मास समिति के तत्वावधान में आयोजित होने वाली चातुर्मासिक मंगलमय पधरावणी 19 जुलाई को सुबह 8:30 बजे भव्य शोभायात्रा के साथ प्रारंभ होगी। इससे पहले आचार्यश्री का श्रद्धालुओं द्वारा भावपूर्ण स्वागत किया जाएगा। स्टेशन चौराहे पर वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद एवं मंगलाचरण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। इसके बाद सर्व समाज के श्रद्धालुओं द्वारा महाआरती संपन्न कर शोभायात्रा रवाना होगी।

हाथी-घोड़े, ऊंट, शाही लवाजमा और ड्रोन से पुष्पवर्षा होगी आकर्षण--

इस भव्य शोभायात्रा में सबसे आगे हाथी, घोड़े और ऊंट शाही लवाजमे के साथ चलेंगे। छत्र-चंवर, धार्मिक ध्वज और संत-महात्माओं की उपस्थिति इसे दिव्य स्वरूप प्रदान करेगी। पूरे मार्ग में 101 भव्य स्वागत द्वार बनाए जाएंगे तथा आधुनिक तकनीक के माध्यम से ड्रोन द्वारा पुष्पवर्षा की जाएगी।

शोभायात्रा का एक और प्रमुख आकर्षण उज्जैन की प्रसिद्ध महाकाल आरती की प्रस्तुति देने वाला दल रहेगा, जो पूरे वातावरण को भक्तिमय बना देगा। मार्ग के दोनों ओर आकर्षक रंगोलियां और पुष्प सज्जा श्रद्धालुओं का स्वागत करेंगी।

शहर के प्रमुख मार्गों से निकलेगी शोभायात्रा--

शोभायात्रा रेलवे स्टेशन रोड स्थित गजाधर मानसिंहका धर्मशाला से प्रारंभ होकर सरकारी दरवाजा, गोल प्याऊ, बालाजी मार्केट, सूचना केंद्र चौराहा, गांधी बाजार, भीमगंज थाना चौराहा होते हुए माणिक्यनगर रामद्वारा पहुंचेगी, जहां इसका समापन होगा।

देश के विभिन्न राज्यों से हजारों रामस्नेही संत, अनुयायी और श्रद्धालु इस ऐतिहासिक आयोजन में भाग लेने के लिए भीलवाड़ा पहुंचेंगे।

तीन माह तक बहेगी धर्म, भक्ति और संस्कृति की अविरल धारा--

चातुर्मास के दौरान भीलवाड़ा में आध्यात्मिक चेतना का अनूठा वातावरण रहेगा। प्रतिदिन प्रातः 5 से 6 बजे तक रामधुनी होगी। सुबह 8 से 8:30 बजे तक वाणीजी का पाठ तथा 8:30 से 9:30 बजे तक आचार्यश्री के प्रेरक प्रवचन होंगे। प्रतिदिन सूर्यास्त के समय संध्या आरती आयोजित की जाएगी। पूरे चातुर्मास में धर्म, भक्ति, संस्कृति और समाज जागरण से जुड़े अनेक आयोजन होंगे, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु सहभागिता करेंगे।

गुरुपूर्णिमा से अवतरण महोत्सव तक होंगे विशेष आयोजन--

चातुर्मास के दौरान 29 जुलाई को गुरुपूर्णिमा महोत्सव श्रद्धापूर्वक मनाया जाएगा। 13 से 20 सितम्बर तक पूज्य वाणीजी प्रवचन प्रतिदिन सुबह 8:30 से 11:30 बजे तक होंगे, जबकि दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक भागवत ज्ञान महोत्सव आयोजित किया जाएगा। 25 सितम्बर को रात्रि 8 बजे आचार्यश्री अवतरण महोत्सव के अंतर्गत विशेष आध्यात्मिक कार्यक्रम होगा, जबकि 26 सितम्बर को अवतरण आनंदोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। 15 अक्टूबर को पंचमी गोटकाजी की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी तथा 22 अक्टूबर को चातुर्मास का विधिवत समापन होगा।

समाज के प्रतिष्ठित परिवार निभा रहे हैं सहयोग--

विश्व शांति कल्याण चातुर्मास समिति के इस विशाल आयोजन में मुख्य सहयोगी के रूप में रामचरणानुरागी भंवरलाल, अशोककुमार, सुभाषचंद, महेशकुमार, अंकित, राहुल अजमेरा परिवार, लालचंद, शिवकुमार, अशोककुमार, मुकेशकुमार गगराणी परिवार तथा मुरली श्याम ईनाणी परिवार सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

तैयारियों के लिए बनीं अलग-अलग समितियां--

समिति के कार्यालय प्रमुख बद्रीनारायण लढ़ा एवं रमेश राठी ने बताया कि चातुर्मास को सुव्यवस्थित एवं ऐतिहासिक बनाने के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया है।

इनमें स्वागत समिति, कार्यालय व्यवस्था, स्वागत द्वार निर्माण, प्रशासनिक समन्वय, आमंत्रण पत्र वितरण, क्रय समिति, पांडाल व्यवस्था, स्टोर व्यवस्था, भोजन निर्माण, वाहन पार्किंग, सुरक्षा व्यवस्था, आवास व्यवस्था, प्राथमिक चिकित्सा, लाइट-साउंड व्यवस्था तथा प्रचार-प्रसार समिति सहित अनेक समितियां शामिल हैं। सभी समितियों के सदस्य पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं, जिससे 19 जुलाई को भीलवाड़ा में आस्था, भक्ति और आध्यात्मिक वैभव का ऐतिहासिक अध्याय लिखा जा सके।

अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन ने सेवा भाव से मनाया स्थापना दिवस

श्रद्धा आश्रम में वृद्धजनों की सेवा कर दिया सम्मान और संवेदना का संदेश

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन, भीलवाड़ा द्वारा संगठन के स्थापना दिवस के अवसर लोकसभा सचेतक और भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल के मार्गदर्शन और निर्देशन पर वृद्धा आश्रम में वृद्धजनों की सेवा कर स्थापना दिवस को सेवा, सम्मान एवं समर्पण की भावना के साथ मनाया गया। इस अवसर पर फेडरेशन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने वृद्धजनों का सम्मान किया, उनका आशीर्वाद प्राप्त किया तथा उनके साथ समय व्यतीत कर सेवा कार्यों में सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम के दौरान जिला अध्यक्ष रामेश्वर लाल काबरा ने कहा कि वृद्धजन समाज की अमूल्य धरोहर हैं तथा उनकी सेवा एवं सम्मान करना प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक दायित्व है। महिला संभागीय अध्यक्ष मधु जाजू और मीडिया प्रभारी मनीष बंब ने अपने संयुक्त उद्बोधन में कहा कि अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन सदैव सामाजिक सेवा, जनकल्याण एवं मानवीय मूल्यों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध रहा है और भविष्य में भी इसी प्रकार सेवा कार्यों का क्रम निरंतर जारी रहेगा। युवा जिलाध्यक्ष अंकित सोमानी ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन के जिलाध्यक्ष रामेश्वर लाल काबरा, संभागीय महिला अध्यक्ष मधु जाजू, जिला महामंत्री ललित अग्रवाल, महिला प्रदेश मंत्री प्रतिभा मानसिंहका, पूर्व जिला कार्यकारी अध्यक्ष ओपी हिंगड़, महिला जिला अध्यक्ष लीला राठी , युवा जिला अध्यक्ष अंकित सोमानी, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामप्रकाश पोरवाल, जिला कोषाध्यक्ष संजय राठी, युवा जिला महामंत्री राकेश जैन सहित हर्ष राठी, मनीष सेठी, मितेश सोडाणी, जितेंद्र बांठिया, राहुल सोमानी, ऋषभ पोरवाल, अभिषेक जागेटिया, गुणमाला अग्रवाल, स्नेहलता पटवारी, कुसुम पोखरणा, जतन हिंगड़, कल्पना माहेश्वरी, सुनीता कटारिया, गीता देवी काबरा, रमेश चंद्र कोठारी एवं शिवकांता कोठारी सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी एवं प्रकाशक कपिल विजयवर्गीय के लिए मुद्रक वेदान्त प्रभाकर मेधा कप्यूटर्स एण्ड ऑफसेट प्रिन्टर्स नंदभवन, बड़े पार्क के पास, कांवाखेड़ा भीलवाड़ा (राज.)से मुद्रित व मकान न. - 1 ए - धानमंडी योजना, कोर्ट केसामने बिजौलिया , भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। संपादक - श्याम सुन्दर विजयवर्गीय । मो. 8696795959, RNI No. : RJHIN/25/A0890 किसी भी प्रकार के वाद विवाद का न्याय क्षेत्र बिजौलिया जिला - भीलवाड़ा ही रहेगा।